

प्रेषक,

एस.के. दास,
प्रमुख सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
आयुर्वेदिक एवं धूनानी सेवाएँ,
उत्तरांचल, देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक: १२ फरवरी, 2005

विषय : गुरुकुल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज फार्मसी हरिद्वार हेतु अनुदान स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-4153-54/एस.एन.डी./2004-05 दिनांक 10 सितम्बर, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि गुरुकुल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज फार्मसी हरिद्वार को निर्माण कार्य हेतु 35.00 लाख तथा मशीन और साज-सज्जा उपकरण संयंत्र हेतु रू० 45.00 लाख अर्थात् कुल रू० 80.00 लाख का अनुदान भारत सरकार के पत्र संख्या-जेड-17016/61/2003-डी.सी.सी. आयुष दिनांक 29.07.2004 द्वारा अवमुक्त किया गया है, के क्रम में इस वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक में उक्त योजना हेतु कोई प्राविधान न होने के कारण एवं उक्त व्यय आवश्यक एवं अपरिहार्य होने के कारण राज्यपाल महोदय इस प्रयोजनार्थ रू० 80.00 लाख (रू० अस्सी लाख मात्र) की राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित कर व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त स्वीकृति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति आगामी नई मांग/अनुपूरक मांग द्वारा अविलम्ब करा ली जाय।

2- स्वीकृत धनराशि की आहरण की सूचना महालेखाकार लेखा कार्यालय उत्तरांचल देहरादून को शासनादेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम वाउचर संख्या, लेखाशीर्षक तथा आहरण की तिथि सहित प्रतिमाह वित्तीय भौतिक प्रगति से शासन को अवगत करायें।

3- इस शासनादेश में वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभाग में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/लेखाधिकारी जैसी भी स्थिति हो यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो संबंधित वित्त नियंत्रक आदि

मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित तुरन्त वित्त विभाग को देना सुनिश्चित करेंगे।

4- चूंकि प्रस्तर-1 में स्वीकृत धनराशि के लिये चालू वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक में इस प्रयोजन हेतु कोई बजट व्यवस्था नहीं की गयी है। जबकि व्यय तत्काल आवश्यक एवं अपरिहार्य है। अतः ₹0 80.00 लाख (₹0 अस्सी लाख मात्र) की धनराशि राज्य आकस्मिकता निधि से अग्रिम के रूप में आहरित कर व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान की जाती है। करते हैं। उक्त धनराशि की प्रतिपूर्ति/समायोजन आगामी आय-व्ययक से किया जायेगा।

7- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय कितना कि स्वीकृति मानक है स्वीकृत मानक से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

8- एक मुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखने एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरो/विशिष्टों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भांति निरीक्षण अच्चाधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय। एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय। निर्माण समाग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली समाग्री को प्रयोग में लाया जाय।

9- कार्य कराते समय विशिष्टों के अनुरूप कार्य कराये तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय। कार्य की गुणवत्ता का पूर्ण उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।

10- उक्त पर होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक- 8000-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या-12 के लेखाशीर्षक -2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य- आयोजनागत 05- चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण तथा अनुसंधान -आयोजनागत 101- आयुर्वेद-01-केन्द्रीय आयोजनागत केन्द्र द्वारा पुरोनिधित योजना 02- गुरुकुल राजकीय आयुर्वेदिक कालेज फार्मसी हरिद्वार हेतु साज-सज्जा/उपकरण क्रय की मानक मद 26-मशीनें और साज-सज्जा/उपकरण संयंत्र में ₹0 45.00 लाख तथा 4210-चिकित्सा तथा

लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय 02-ग्रामीण स्वास्थ्य सेवार्थ आयोजनागत 800-अन्य व्यय 01-केन्द्रीय आयोजनागत केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएं- 04-गुरुकुल आयुर्वेदिक कालेज फार्मैसी हरिद्वार -24 बृहत निर्माण कार्य के नामे रु0 35.00 लाख डाला जायेगा।

भवदीय,

(एस.के. दास)

प्रमुख सचिव

रा.अ.नि.संख्या:76(1)/XXVIII-1-2005-54/2004 तददिनांक।

प्रतिलिपि: महालेखाकार लेखा एवं हकदारी उत्तरांचल देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

संख्या:1627(1)/XXVIII-1-2005-54/2004 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. प्रमुख सचिव मा0 मुख्य मंत्री, उत्तरांचल।
2. अनु सचिव, भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, आयुष विभाग आई.आर.सी.एस. बिल्डिंग नई दिल्ली को उनके पत्र संख्या-जैड-17016/61/2003-डी.सी.सी.(आयुष) दिनांक 29 जुलाई, 2004 के क्रम में सूचनार्थ प्रेषित।
3. कोषाधिकारी, देहरादून।
4. वित्त अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग।
5. संबंधित निर्माण एजेन्सी।
6. गार्ड फाईल/एन.आई.सी.।

आज्ञा से,

(अतर सिंह)

उप सचिव